प्रेरणा

परिस्थितियाँ जितनी ज्यादा
आपको तोड़ती हैं..
उससे कहीं ज्यादा आपको
मजबूत बना देती हैं..।

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

मास्क जरूरी,
नहीं कोई मजबूरी

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-3 • 06 JANUARY TO 12 JANUARY 2022 • VOLUME-25 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

पीएम की पंजाब यात्रा के दौरान सुरक्षा में चूक

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सुबह बठिंडा पहुंचे, जहां से वे हेलीकॉप्टर से हुसैनीवाला स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाने वाले थे। बारिश और खराब दृश्यता के कारण प्रधानमंत्री ने करीब 20 मिनट तक मौसम साफ होने का इंतजार किया। जब मौसम में सुधार नहीं हुआ तो निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाएंगे, जिसमें दो घंटे से अधिक समय लगेगा। डीजीपी पंजाब पुलिस द्वारा आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों की आवश्यक पुष्टि के बाद प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से यात्रा के लिए रवाना हुए।

हुसैनीवाला स्थित राष्ट्रीय शहीद स्मारक से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर, जब प्रधानमंत्री का काफिला एक फ्लाईओवर पर पहुंचा तो पाया गया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया है। प्रधानमंत्री 15-20 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंसे रहे। यह प्रधानमंत्री की सुरक्षा में एक बड़ी चूक थी।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम और यात्रा की योजना के बारे में पंजाब सरकार को पहले ही जानकारी दे दी गयी थी। प्रक्रिया के अनुसार, उन्हें लॉजिस्टिक्स व सुरक्षा के साथ-साथ आकस्मिक योजना को तैयार रखते हुए इस सम्बन्ध में आवश्यक व्यवस्था करनी होती है। आकस्मिक योजना को ध्यान में रखते हुए, पंजाब सरकार को सड़क मार्ग से किसी भी यात्रा को सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा तैनात करनी चाहिए थी, जिनकी स्पष्ट रूप से तैनाती नहीं की गयी थी।

इस सुरक्षा चूक के बाद, बठिंडा हवाई अड्डे पर वापस लौटने का निर्णय लिया गया। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने इस गंभीर सुरक्षा चूक का संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। राज्य सरकार को इस चूक की जिम्मेदारी तय करने और सख्त कार्रवाई करने के लिए भी कहा गया है।

प्रधानमंत्री से नफरत करती है कांग्रेस : स्मृति ईरानी

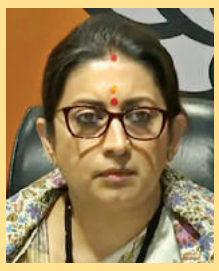

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में स्मृति ईरानी ने साफ तौर पर कहा कि पंजाब सरकार ने पीएम की सुरक्षा में चूक की है। प्रधानमंत्री के जान को जोखिम में डाला गया और पंजाब पुलिस मूकदर्शक बनी रही। उन्होंने दावा किया कि पंजाब में कानून व्यवस्था पूरी तरीके से फेल है। पंजाब पुलिस ने रूट क्लीयरेंस दी थी। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि वे लोग प्रधानमंत्री से नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में आज पंजाब की पुण्य भूमि पर कांग्रेस के खूनी इरादे नाकाम रहे। जो लोग कांग्रेस में प्रधानमंत्री जी से घृणा करते हैं, वो आज उनकी सुरक्षा को नाकाम करने के लिए प्रयासरत थे।

कैप्टन ने पंजाब में राष्ट्रपति शासन लगाने का किया आह्वान

फिरोजपुर. पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक की घटना के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का आह्वान किया। अमरिंदर ने कहा कि चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व वाली सरकार राज्य में कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रही है। पंजाब में हुसैनीवाला के पास सड़क जाम में प्रधानमंत्री का काफिला फंस गया जिसके बाद वह रैली को संबोधित किए बिना लौट गए। 'पंजाब लोक कांग्रेस' के प्रमुख अमरिंदर ने यहां एक रैली को संबोधित करने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'अगर हमें अपने राज्य को सुरक्षित रखना है और यहां कानून-व्यवस्था बनाए रखनी है, तो मुझे लगता है कि राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए।'

खतरे वाली कोई बात नहीं, अचानक रूट बदला गया : चन्नी

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने बुधवार को बताया कि मुझे खेद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज फिरोजपुर जिले के दौरे के दौरान वापस लौटना पड़ा। हम अपने प्रधानमंत्री का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे आज भठिंडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवानी करने जाना था, लेकिन जिन लोगों को मेरे साथ जाना था, वे कोरोना पॉजिटिव पाए गए, इसलिए मैं प्रधानमंत्री को रिसीव करने नहीं गया क्योंकि मैं कोरोना पॉजिटिव पाए गए कुछ लोगों के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा का पूरा इंतजाम था। उनकी सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं था।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक बेहद चिंताजनक : भगवंत मान

चंडीगढ़. पीएम मोदी की सुरक्षा में हुई चूक पर प्रतिक्रिया देते हुए आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रधान और सांसद भगवंत मान ने हैरानी जताई और इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। बुधवार को मान ने पार्टी मुख्यालय से जारी बयान में इस घटना के लिए पंजाब की कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया और ट्वीट कर कहा, 'पंजाब के हर एक व्यक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी पंजाब सरकार की है। भले ही कितने भी राजनीतिक मतभेद हो, लेकिन प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक बेहद चिंताजनक है!'

अंतिम वोटर सूची का प्रकाशन 5 जनवरी को हुआ मुकम्मल

पंजाब विधान सभा चुनाव 2022

चंडीगढ़. पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. ऐस करुणा राजू ने आज विधान सभा चुनाव-2022 के लिए अंतिम प्रकाशित वोटर सूचियां डीवीडीज़ के रूप में मान्यता प्राप्त राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को सौंपी। डॉ. राजू ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग (ई.सी.आई.) द्वारा 1 जनवरी को जारी की गई विशेष समरी रिवीज़न शड्यूल के अनुसार फोटो वोटर सूचियों के अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया 5 जनवरी को समाप्त हो गई है। इस सम्बन्धी मान्यता प्राप्त राजनैतिक पार्टियों के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब के कार्यालय में मीटिंग बुलायी गई, जिसमें उनको वोटर सूचियों (बिना फोटो) की डीवीडीज़ सौंपी गई। मीटिंग में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, बसपा, भाजपा, भारतीय साम्यवादी पार्टी, भारतीय साम्यवादी पार्टी (माक्र्सवादी), इंडियन नेशनल कांग्रेस, नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी, शिरोमणि अकाली दल व आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधि मौजूद थे।

कोविड-19 दिशा-निर्देश

1. सार्वजनिक स्थानों, काम वाले स्थानों और यातायात के दौरान मास्क पहनना लाजिमी है। 2. सार्वजनिक स्थानों पर कम से कम 6फुट (2गज़) की दूरी बनाये रखो। 3. अधिक से अधिक 50 फीसद के सामर्थ्य के साथ इंडोर भीड़ों के लिए 500 व्यक्तियों और बाहरी भीड़ों के लिए 700 व्यक्तियों के जलसे की अनुमति। 4. सभी एंट्रियों और एग्जिट प्वाइंटों और सांझे क्षेत्रों पर थर्मल स्क्रीनिंग, हाथ धोने या सैनीटाईजर का प्रबंध किया जायेगा। 5. बड़े जलसे वाले स्थानों जैसे सब्जी मंडी, अनाज मंडियों, सार्वजनिक यातायात, पार्कों, धार्मिक स्थानों, मॉलज़, शॉपिंग कंपलैक्स आदि में दाखिले के लिये पूरी तरह टीकाकरण (दूसरी खुराक) लाजिमी है। 6. जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जलसे वाले स्थानों पर जरूरी टीकाकरण टीमें तैनात की जाएँ। 7. दिशा-निर्देशों के अनुसार कंटेनमैंट जोन, बफर जोनों की तुरंत सूचनाएँ और सख्त घेरे का नियंत्रण किया जाना चाहिए। 8. कोविड फैलाव सम्बन्धी सहम और गलत जानकारी को घटाने के लिए लोगों की भागीदारी।

सम्बन्धित दंड प्रावधान

1. आपदा प्रबंधन एक्ट, 2005 के अपराध और जुर्माने की धारा 51 -60
2. आइपीसी की धारा 188 3. महामारी रोग एक्ट, 1897 की धारा 3
4. नियमों को सख्ती से लागू करन के लिए सीआरपीसी, 1973 की धारा 144 के उपबंधों का प्रयोग किया जा सकता है।
5. गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दंडात्मक निर्देश

जालंधर ब्रीज

लगभग दो साल हो चुके हैं। कोरोना के दंश से अभी बाहर नहीं निकल पाए। समय-समय पर वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) संस्था इससे हो सकने वाले जानी नुकसान के बारे में चिंता जताते हुए लोगों से लगातार अपील कर रही है। देश में हजारों संस्थाओं ने बिना किसी लालच के लोगों की मदद को आगे आकर अपना कीमती योगदान दिया। लोगों ने इस संकट की घड़ी में हर संभव प्रयास खुद के लिए और दूसरों के लिए भी किए ताकी सबकुछ सामान्य हो सके। इसमें लोगों ने भी पूरा सहयोग दिया। इस दौरान फ्रंट लाइन वर्क्स ने अपनी जान की परवाह न करते हुए लोगों की पूरी सेवा की। इसलिए हम सभी को एक अच्छे नागरिक की तरह प्रशासन व फ्रंट लाइन वर्क्स का पूरा सहयोग करना चाहिए ताकि कोरोना के इस नए वेरिएंट को फैलने से रोका जा सके।

सावधानियां

- स्वच्छता का पूरा ख्याल रखें।
- घर में बच्चों और बुजुर्गों का ख्याल रखें।
- अकारण इधर-ऊधर ना घूमें।
- नियमों का पालन करें।
- अभिवादन के लिए हाथ न मिलाएं।
- मास्क का प्रयोग करें।
- सेहत खराब होने पर डॉक्टर से मिलें।
- जितना संभव हो भीड़-भाड़ से बचें।

जितना संभव हो लोगों की मदद करें...

कांग्रेस ने सभी राज्यों में अपनी चुनावी रैलियों को रोका

कोरोना की तीसरी लहर को रोकने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों की रैलियों पर पाबंदी लगाए पंजाब सरकार

फोटो साभार : बीबीसी.कॉम/ एबीपीन्यूज

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

इंडियन नेशनल कांग्रेस के पदाधिकारी केसी वेणुगोपाल ने सभी राज्यों में कांग्रेस द्वारा की जाने वाली चुनावी रैलियों को कोरोना के मद्देनजर रोकने का फैसला किया है।

वहीं पंजाब सरकार द्वारा पिछले दिनी कोरोना की बढ़ती संख्या को देखते हुए तीसरी लहर को रोकने के लिए कई तरह के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं जिसमें स्कूल-कॉलेज और अन्य जगहों पर कई पाबंदियां लगाई गई हैं।

बता दें आने वाले महीनों में पंजाब में विधान सभा चुनाव होने के कारण अलग-अलग पार्टियों द्वारा राजनीतिक रैलियों का आयोजन किया जा रहा है।

कोरोना के इस दंश को लोग पहले से ही झेल रहे हैं और पंजाब के लोगों के मन से अभी इसका डर निकल नहीं पाया। ऐसे में कोरोना की नई वेरिएंट (तीसरी लहर) ओमीक्रोन का डर लोगों को सताने लगा है।

भीड़-भाड़ से बचें

जान है तो ही जहान है...

वहीं आने वाले दिनों में अगर इन रैलियों पर भी सरकार द्वारा पाबंदी नहीं लगाई गई तो इन रैलियों के कारण भी संक्रमण ज्यादा फैलने का खतरा है और लोगों की जान भी जाएगी।

जिक्रयोग्य है पिछले कुछ सालों से पूरी दुनिया ने कोरोना का प्रकोप देखा है और कई अपने करीबियों को खोया है जिसके चलते पंजाब सरकार को रैलियों को रोकने संबंधी कई तरह के मापदंड अपनाने पड़ेंगे। क्यूंकि अगर ऐसा न हो पाया तो लोग अपने आप को सड़क पर चल रहे उन वाहनों की तरह समझने लगेंगे जैसे पुलिस बाहरी राज्यों की गाड़ी रोक कर चालान करती दिखती है और शहर या उसके आसपास चल रहे ओवरलोडिंग वाहनों पर किसी भी तरह की कोई करवाई नहीं होती। प्रशासन को भी आने वाले दिनों में सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना कराने में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है और लोगों को समझाना काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

फोटो साभार : रॉयटर्ज़.कॉम

गौरतलब है कि पूरे देश में जहां 145 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है फिर भी कोरोना का खतरा कई तरह की बिमारियों से जूझ रहे बुजर्गों और बच्चों के लिए बना हुआ है। क्यूंकि अभी लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज भी लगनी बाकी है।

अब देखना है, क्या सरकार वक्त की नजाकत को देखते हुए पार्टियों द्वारा अलग-अलग पंजाब के जिलों में की जाने वाली रैलियों को रोक पाएगी। ताकि कोरोना की तीसरी लहर के कारण फैल रहे संक्रमण को रोक कर लोगों की जान की रक्षा की जा सके।

पार्टनर के साथ पहली बार ट्रैवल कर रहे हैं तो भूलकर भी न करें ये गलतियां

जो लोग पहली बार पार्टनर के साथ ट्रैवल कर रहे होते हैं, उन्हें तो कई बातों का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। देखा गया है कि अक्सर पहली बार साथ में ट्रैवल कर रहे कपल एक-दूसरे को न चाहते हुए भी हर्ट कर देते हैं।

नए रिलेशनशिप में खुशी और उत्साह दोगुना माना जाता है। पहला डिनर, पहला गिफ्ट, पहला बर्थडे या पहली ट्रिप ये सभी बेस्ट मूमेंट्स का जरिया होते हैं, ऐसे में इस दौरान गलती न हो तो ही बेस्ट रहता है। अक्सर ऐसा देखा गया है पार्टनर के साथ ट्रैवलिंग के दौरान लोग ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो या तो उनकी ट्रिप का मजा किरकिरा कर देती हैं या लंबे समय तक एक बेड मूमेंट के तौर पर दिमाग में रह जाती है। जो लोग पहली बार पार्टनर के साथ ट्रैवल कर रहे होते हैं, उन्हें तो कई बातों का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। देखा गया है कि अक्सर पहली बार साथ में ट्रैवल कर रहे कपल एक-दूसरे को न चाहते हुए भी हर्ट कर देते हैं।

हम आपको पहली बार ट्रैवल करते हुए उन 5 गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अक्सर लोग कर देते हैं। जरूरी नहीं है कि प्लानिंग के लिहाज से ही ट्रिप पूरी हो पाए, लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखना भी बेस्ट रहता है। जानें वो गलतियां...

पैनिक न हों

अक्सर देखा गया है कि ट्रिप के दौरान किसी तरह परेशानी होने के चलते लोग पैनिक हो जाते हैं और इस कारण वे अपना ही नहीं पार्टनर का भी मूड खराब कर देते हैं। इस कदम से पूरी ट्रिप का मजा किरकिरा हो सकता है। याद रखें कि आप घर से एंजॉय करने के लिए निकले हैं।

फोटोज में न रहे बिजी

ट्रिप के बेहतरीन मोमेंट्स को कैच करने के लिए फोटोज बेस्ट ऑप्शन है, लेकिन कई लोग फोटोज लेने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि पार्टनर के साथ बेस्ट मोमेंट्स को ही मिस करने लगते हैं। ट्रिप को यादगार बनाना किसको नहीं पसंद, लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि इसके लिए लोकेशन ही तलाशते रहें। थोड़े समय के लिए फोन को जेब या पर्स में रखें और पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करें। ये गलती भारी पड़ सकती है।

सही लोकेशन

कभी-कभी लोग ट्रिप के लिए काफी दूर की लोकेशन चुन लेते हैं और साथी को लोकेशन पसंद न आए तो ट्रिप का मजा खराब हो जाता है। पहली बार ट्रिप पर जा रहे हैं, तो आसपास की जगहों पर जाएं। अक्सर लोग दूर या इंटरनेशनल ट्रिप पर चले जाते हैं और उन्हें एक-दूसरे की पसंद-नापसंद की

जानकारी नहीं होती। इस वजह से भी ट्रिप का मजा किरकिरा हो जाता है।

एक-दूसरे की रुचि का ख्याल

पहली बार ट्रिप कर रहे लोग अक्सर अपनी पसंद को दूसरे पर थोपते हैं। जरूरी नहीं है आपको डिस्को थेक में रुचि हो तो पार्टनर को भी हो। एक-दूसरे के इंटरेस्ट का ध्यान न रखने पर भी लोग ट्रिप को खराब कर देते हैं।

इंदौर की बेहद खूबसूरत जगहें बहुत कम ही लोग जानते हैं

इंदौर के आस पास की जगहों पर आपको बेहद अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। आप इंदौर के करीब ओंकारेश्वर, तिंचा वॉटरफॉल, जहज महल, नर्मदा घाट जैसी पर्यटन स्थलों को घूम सकते हैं।

मध्यप्रदेश का इंदौर एक ऐसा शहर है जो बेहद खूबसूरत होने के साथ साफ भी है। यहां खाने के कई शानदार ऑप्शन हैं जो पर्यटकों को खूब पसंद आते हैं।अगर आप नए साल पर इंदौर घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज हम आपको बताएंगे कि यहां के आसपास घूमने के बेस्ट ऑप्शन, जहां हर किसी को एक बार जरूर जाना चाहिए।

अगर आप आर्किटेक्चर में इंटरेस्ट है तो जहज महल का रुख जरूर करें। अगर आप इंदौर गए हैं, तो यहां आप आसानी से जा सकते हैं क्योंकि ये ये इंदौर से लगभग 28 किलोमीटर की दूरी पर है।यह महल दो झीलों कापुर तालाब और मुंज तालाब के बीच बना हुआ है जो देखने में जहाज के जैसा दिखता है।

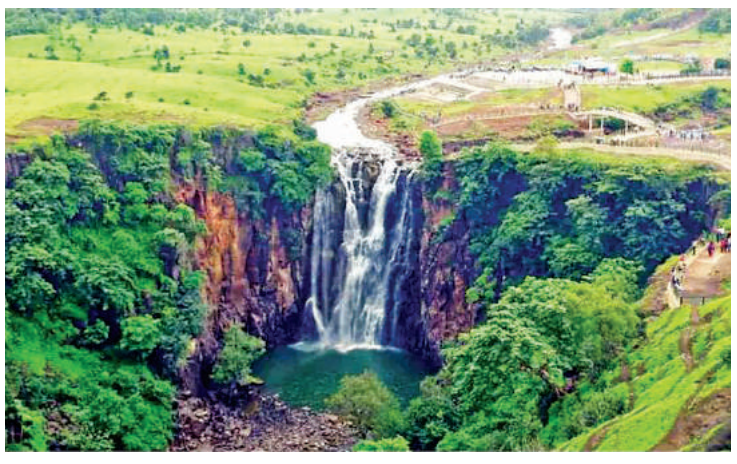

इंदौर से करीब 35 किलोमीटर की दूरी पर पातालपानी वाटरफॉल्स है। ये बहुत ही खूबसूरत और घूमने लायक प्लेस है। यहां दूर दूर से लोग घूमने का मजा लेने आते हैं। 300 फीट ऊंचा ये वाटरफॉल इंदौर-खंडवा रास्ते में हैाये पॉपुलर ट्रेकिंग स्पॉट भी कहा जाता है।

रालामंडल वाइल्डलाइफ सैन्चुरी एक बहुत ही फेमस जगह है। अगर आपको वाइल्डलाइफ में इंटरेस्ट है तो ये जगह वाकई में आपके लिए खास है। यहां पर प्रकृति लवर्स अपना खास वक्त बिता सकते हैं। आपको यहां हिरण, खरगोश, सांभर और दुर्लभ पक्षी देखने को मिलेंगें। ये शांति से वक्त गुजारने वाली जगह है।

ड्राई कफ के दौरान इन घरेलू उपचार को करें ट्राई, दिक्कत होगी दूर!

अगर आप भी किसी कारण से सूखी खांसी से परेशान हैं, तो यहां बताए जा रहे कुछ घरेलू उपाय आपके काम के हो सकते हैं। जानिए इसकी वजह और घरेलू उपाय।

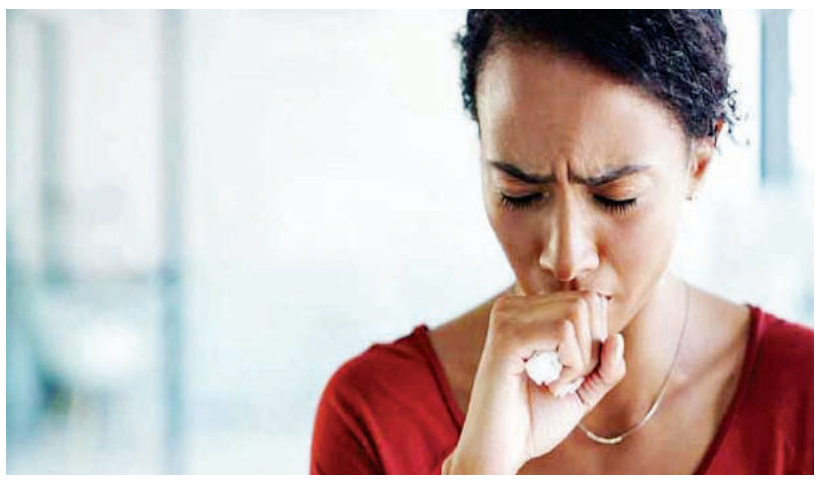

सर्दी का मौसम जारी है और इसमें खांसी-जुकाम जैसी समस्याओं का होना आम बात है। खांसी की बात की जाए तो कहा जाता है कि इसकी वजह वात, पित्त और कफ का इंबैलेंस को माना जाता है। बता दें कि खांसी दो तरह की होती हैं, जिसमें एक बलगम वाली खांसी और दूसरी सूखी खांसी होती है। बलगम वाली खांसी में बलगम तंग करता है तो सूखी खांसी में गले में दर्द और खराश हो जाती है। खांसी के बढ़ जाने पर पसलियां भी दुखने लग जाती है और वक्त रहते इसका इलाज न किया जाए तो ये टीबी का कारण भी बन जाती है।

हम आज सूखी खांसी से निजात पाने के घरेलू उपचार आपको बताने जा रहे हैं। दरअसल, सूखी खांसी के ठीक होने में समय अधिक लगता है। अगर आप भी किसी कारण से सूखी खांसी से परेशान हैं, तो यहां बताए जा रहे कुछ घरेलू उपाय आपके काम के हो सकते हैं। जानिए इसकी वजह और घरेलू उपाय।

नमक के गरारे

सूखी खांसी ही नहीं बल्कि गले में चुभन जैसी परेशानियों को दूर करने के लिए भी गरारे करना बेस्ट माना जाता है। गर्म पानी में थोड़ा सा नमक लें और करीब 10 मिनट तक गरारे करें। खांसी ज्यादा है तो दिन में करीब 3 बार गरारे करें।

हल्दी का दूध

हल्दी में कई एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं और इस कारण इसे कई रोगों के निवारण के लिए बेस्ट माना जाता है। सूखी खांसी की समस्या के दौरान रात में सोते समय गर्म दूध में हल्दी मिलाकर पीने से राहत मिलती है। कहा जाता है कि ये एक नेचुरल एंटीबायोटिक की तरह काम करता है, इसलिए इसका सेवन आज से ही शुरू करें।

शहद

सूखी खांसी के इलाज के लिए शहद को एक बेस्ट ऑप्शन माना जाता है। बैक्टीरिया के कारण खांसी होने के ज्यादा आसार होते हैं और शहद में इन जर्म्स को खत्म करने के गुण होते हैं। इसलिए रात में सोते समय थोड़े से शहद का सेवन जरूर करें। ऐसा करने से गले में नमी भी बनेगी और खांसी में राहत मिलेगी।

स्टीम

जुकाम या खांसी से राहत पाने के लिए स्टीम लेना बेस्ट रहता है। ज्यादा खांसी होने पर दिन में दो से तीन बार स्टीम लेनी चाहिए। ये एक बेहतरीन घरेलू उपचार है और इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।

क्या होती है सर्दियों में होने वाली जानलेवा कंपकंपी जिसके कारण शरीर के कई अंग काम करना बंद कर सकते हैं

सर्दियों में थोड़ी कंपकंपी लगना कॉमन है। लेकिन जब सर्दी जरूरत से ज्यादा महसूस होने लगे, सांस लेने में दिक्कत हो और शरीर बेसुध होना शुरू हो जाए तो यह इमरजेंसी की स्थिति है। विज्ञान की भाषा में इस हाइपोथर्मिया कहते हैं। यह स्थिति जानलेवा हो सकती है क्योंकि शरीर के कई अंग काम करना बंद कर सकते हैं।

इंसान के शरीर का सामान्य तापमान 37 डिग्री सेल्सियस होता है, लेकिन ठंड अधिक बढ़ने के कारण शरीर अपनी गर्माहट तेजी से खोने लगता है। नतीजा, शरीर का तापमान औसत से नीचे गिर जाता है, इसे ही हाइपोथर्मिया कहते हैं। यही वजह है कि सर्दी में शरीर को खासतौर पर सिर, कान और गर्दन को कवर करने की सलाह दी जाती है।

मेयोक्लीनिक की रिपोर्ट के मुताबिक, शरीर का तापमान अधिक गिरने पर कंपकंपी की स्थिति बनती है। इसके अलावा धीरे-धीरे हार्ट, नर्वस सिस्टम और दूसरे अंग ठीक से काम नहीं कर पाते। समय से इलाज न होने पर ये अंग पूरी तरह से काम करना बंद कर सकते हैं और मौत हो सकती है।

सीधे तौर पर सर्दी या सर्द हवाओं के सम्पर्क में आने से इसका खतरा बढ़ाता है। हाइपोथर्मिया का सबसे ज्यादा खतरा बुजुर्गों, बच्चों, शरीर में कमजोरी से जूझने वाले लोगों को और मानसिक रोगियों को रहता है। शरीर का तापमान अधिक गिरने पर कई तरह के लक्षण दिखते हैं। जैसे- शरीर ठंडा पड़ना, अधिक कंपकंपी लगना, हृदय गति कम होना और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखते हैं। अगर किसी इंसान में ऐसे लक्षण दिख रहे हैं तो तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करने की जरूरत है। ऐसे मामलों में शरीर का तापमान सामान्य करने की कोशिश की जाती है।

ऐसे करें बचाव

➤ शरीर को अच्छी तरह से कवर करें। खासतौर पर कान, गर्दन और हाथों-पैरों को। ➤ ऐसी एक्टिविटीज करने से बचें जिसमें अधिक पसीना आता हो, इससे शरीर का तापमान गिरता है। ➤ सर्दी में हल्के और कई लेयर वाले कपड़े पहनें। ये ऐसे होने चाहिए जो हवा को सीधेतौर पर शरीर में पहुंचने से रोक सकें। ➤ नमीं वाले कपड़े पहनने से बचें और बाहर निकल रहे हैं तो जूतें और दस्तानों का इस्तेमाल जरूर करें।

कभी सुना है

अमेरिका में आसमान से क्यों गिरी मछली, क्या होती है एनिमल रेन जिसमें जलीय जीवों की 'बारिश' होती है?

टेक्सास (अमेरिका) के एक शहर में बारिश के दौरान आसमान से मछलियां गिरने का मामला सामने आया है। इस दुर्लभ घटना को एनिमल रेन कहते हैं। क्या होती है एनिमल रेल, जमीन से जीव आसमान में कैसे पहुंच जाते हैं और दुनिया के किन शहरों में यह घटना हो चुकी है, जानिए इन सवालों के जवाब...

टेक्सास (अमेरिका) के एक शहर में बारिश के दौरान आसमान से मछलियां गिरने का मामला सामने आया है। इस दुर्लभ घटना को एनिमल रेन कहते हैं। यह घटना टेक्सरकाना शहर में घटी। यहां आए तूफान के बाद लोगों को सड़कों पर मछलियां पड़ी हुई मिलीं। थोड़ी-थोड़ी दूरी पर पड़ी मछलियों को देखकर शहर के लोग हैरान हैं और उनके मन में यह सवाल भी है इतनी मछलियां यहां कैसे पहुंचीं।

शहर के लोगों ने इसके कई वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर किए। टेक्सरकाना शहर के ऑफिशियल पेज पर इस घटना की जानकारी देते हुए पोस्ट की गई। पोस्ट में लिखा गया कि 2021 सारे खेल दिखा रहा है...मछली की बारिश और...ये मज़ाक नहीं है।"

इस घटना के बाद लोग आश्चर्यचकित हैं, लेकिन विज्ञान के नजरिए से देखें तो ऐसा संभव है। इससे पहले भी दुनिया के अलग-अलग देशों में यह घटना हो चुकी है। विज्ञान की भाषा में इसे एनिमल रेन कहते हैं।

नेशनल जियोग्राफिक की रिपोर्ट के मुताबिक, एनिमल रेन यानी आसमान की ओर से जीवों के गिरने की घटना तब होती है जब बवंडर आता है। विज्ञान की भाषा में इसे वॉटर स्प्राउट्स कहते हैं। यह एक तरह का बवंडर होता है जो तालाब और झील जैसे पानी के कुछ हिस्से में बनता है। इस बवंडर में ऐसा चक्रवात बनता है जो हवा, पानी और पानी में मौजूद चीजों को खींच लेता है।

रिपोर्ट कहती है, जैसे-जैसे यह बवंडर शक्तिशाली बनता है यह छोटे-छोटे जीवों को खींचता जाता है। यह जमीन की ओर बढ़ता है। तूफान की रफ्तार में कमी आने पर इसमें मौजूद जीव जमीन पर गिरने लगते हैं। अमेरिका में जमीन पर पड़ी मिलीं मछलियां इसी का एक उदाहरण हैं।

हालांकि कुछ लोगों का मानना है, यह जानवर वाकई में आसमान से गिरे थे, जबकि कुछ यह मानने को तैयार नहीं है कि जीव उनके शहर के आसपास के ही हैं।

दुनिया का यह पहला मामला नहीं : टेक्सास के एक शहर में जो हुआ, यह दुनिया की पहली घटना नहीं है। इसका सबसे चर्चित मामला 1861 में सिंगापुर में सामने आया था। जब तीन दिन तक लगातार बारिश के कारण सड़कों पर मछलियां पाई गईं। इतिहास पर नजर डालें तो आसमान से जीवों की बारिश होने की घटना पहली शताब्दी में रोमन प्रकृतिविद् प्लनी द एल्डर ने नोटिस की थी। दावा किया जाता है कि साल 1794 में फ्रांस के लिली शहर में एक फ्रेंच सिपाही ने तूफान के दौरान आसमान से भारी बारिश के साथ मेढ़क गिरते हुए देखे थे।

गूगल से फौरन हटाएं डेबिट और क्रेडिट कार्ड की डिटेल, आरबीआई ने तय की 30 जून की डेडलाइन, ऐसे रिमूव कर सकते हैं रिकॉर्ड

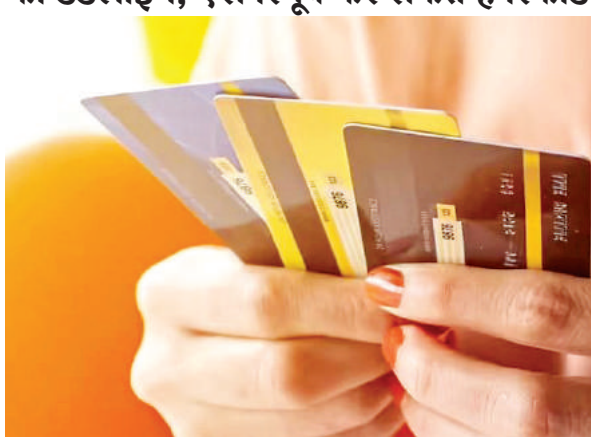

गूगल पे का कहना है कि ग्राहक की अनुमति मिलने पर ही उसके कार्ड की डिटेल को रिजर्व बैंक के बताए निर्देशों के मुताबिक सेव किया जाएगा। गूगल पे ने ग्राहकों की डिटेल को बेहद सुरक्षित तरीके से स्टोर करने का वादा किया है।

गूगल पे ने इस बारे में एक जानकारी अपने पेज पर दी है। गूगल पे का कहना है कि ग्राहक की अनुमति मिलने पर ही उसके कार्ड की डिटेल को रिजर्व बैंक के बताए निर्देशों के मुताबिक सेव किया जाएगा। गूगल पे ने ग्राहकों की डिटेल को बेहद सुरक्षित तरीके से स्टोर करने का वादा किया है।

गूगल पे आगे कहता है, रिजर्व बैंक के कार्ड स्टोरेज रेगुलेशन को देखते हुए गूगल अब अपने ग्राहकों की कार्ड डिटेल जैसे कि कार्ड नंबर, एक्सपायरी डेट आदि को स्टोर नहीं करता। हालांकि ग्राहक अगर अनुमति दें तो आरबीआई के निर्देशों का पालन करते हुए उनकी डिटेल को सुरक्षित तरीके से स्टोर किया जाएगा।

गूगल पे को कैसे दें स्टोरेज की अनुमति

गूगप पे ने इसके बारे में जानकारी दी है। अगर आप वीजा या मास्टरकार्ड के डेबिट या क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो आप नए फॉर्मेट में कार्ड की डिटेल स्टोर करने की अनुमति दे सकते हैं। इसके लिए आपको अपनी कार्ड डिटेल के साथ एक बार मैनुअल पेमेंट करना होगा। बाद में आपको बार-बार कार्ड डिटेल देने की जरूरत न पड़े, इसके लिए ऑथराइजेशन का यह काम 30 जून 2022 तक जरूर पूरा कर लें।

अगर आपके पास रुपे, अमेरिकन एक्सप्रेस, डिस्कवर या डाइनर्स कार्ड है तो 30 जून के बाद गूगल आपके कार्ड की डिटेल को स्टोर नहीं करेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि इन कंपनियों के कार्ड नए फॉर्मेट में डिटेल स्टोरेज की सुविधा नहीं देते। 1 जुलाई 2022 से गूगल की सभी सर्विस पर कार्ड डिटेल स्टोरेज के नियम पूरी तरह बदल जाएंगे। ध्यान रखें कि गूगल से अगर आपने डिटेल हटा दी है तो 1 जुलाई के बाद आपको कार्ड की जानकारी हमेशा देनी होगी।

गूगल ऐड्स यूजर के लिए

- गूगल ऐड्स अकाउंट में साइन इन करें
- टूल्स पर क्लिक करें और बिलिंग सेक्शन में जाकर सम्मरी पर क्लिक करें
- पेमेंट मेथड पर क्लिक करें और उसके बाद रिमूव का बटन दबा दें
- गूगल क्लाउड यूजर के लिए- 'रिमूव पेमेंट मेथड' के ऑप्शन को चेक करें।

बाकी सभी गूगल यूजर के लिए

- गूगल पेमेंट सेंटर में साइन इन करें
- 'ऐड ए पेमेंट मेथड' पर क्लिक करें और उसके बाद रिमूव का बटन दबा दें।

चिप संकट के बावजूद कैसे बढ़ रही भारत में कारों की बिक्री

कार बाजार की रफ्तार में सेमीकंडक्टर और चिप का संकट बड़ा ब्रेकर साबित हुआ। कई गाड़ियों के मॉडल्स पर भारी वेटिंग चल रही है। इस वजह से कई बुकिंग कैंसिल हो रही हैं वहीं नई बुकिंग भी कम हो रही हैं।

चिप के संकट से गुजर रही कार कंपनियों के लिए दिसंबर का महीना बेहतर रहा। इस दौरान देश में कार बनाने वाली प्रमुख कंपनियों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। मारुति सुजुकी ने दिसंबर 2021 में सबसे अधिक गाड़ियां बेचीं। कंपनी ने दिसंबर 2021 में 1 लाख 53 हजार 149 कारें बेचीं। दूसरे नंबर पर रही टाटा मोटर्स जिसने 35 हजार 299 गाड़ियां बेचीं। तीसरे नंबर पर रही हुंडई। हुंडई ने 32 हजार 312 यूनिट बेचीं। इसके बाद रही होंडा, जिसने 7 हजार 973 कारों की बिक्री की।

दिसंबर 2020 से अगर इन आंकडों की तुलना करें तो परिणाम थोड़ा चौंकाते हैं। मारुति ने दिसंबर 2020 में 1 लाख 60 हजार 226 वाहन बेचे थे। इस हिसाब से कंपनी ने 7 हजार 77 वाहन कम बेचे। वहीं टाटा के लिए 2021 का दिसंबर जबरदस्त रहा। दिसंबर 2020 में टाटा मोटर्स ने 23 हजार 545 गाड़ियां बेचीं थी। यानी इस दिसंबर कंपनी ने 11 हजार 745 वाहन अधिक बेचे।

हुंडई की बात करें तो कंपनी के लिए दिसंबर 2021 कुछ खास नहीं रहा। दिसंबर 2020 में कंपनी ने 47 हजार 400 कारें बेची थीं। यानी इस हिसाब से कंपनी दिसंबर 2021 में पीछे रह गई। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने दिसंबर 2020 में 8 हजार 638 यूनिटों की बिक्री की थी। इस हिसाब से कंपनी दिसंबर 2021 में थोड़ा पिछड़ गई। टोयोटा की बात करें तो कंपनी ने दिसंबर 2021 में 10 हजार 832 कारें बेची थीं वहीं दिसंबर 2020 में टोयोटा की 7 हजार 487 कारें बिकी थीं। इस हिसाब से कंपनी ने 45 फीसदी कारें अधिक बेचीं।

कार बाजार की रफ्तार में सेमीकंडक्टर और चिप का संकट बड़ा ब्रेकर साबित हुआ। कई गाड़ियों के मॉडल्स पर भारी वेटिंग चल रही है। इस वजह से कई बुकिंग कैंसिल हो रही हैं वहीं नई बुकिंग भी कम हो रही हैं। हालांकि रिपोर्ट बताती है कि इस संकट के बाद भी कार कंपनियों ने 2021 में 30 लाख से अधिक कारें बेचीं वहीं 2020 में ये आंकड़ा 24 लाख गाड़ियों का था।

कंपनी ने कहा- हमारे आगे तूफान जैसी चुनौतियां

हांगकांग में मीडिया का गला घोंट रहा 'तानाशाही' चीन, सिटिजन न्यूज पर लगा ताला

हांगकांग में 'एपल डेली' और 'स्टैंड न्यूज' के बाद हालिया महीनों में सेवाएं बंद करने की घोषणा करने वाली 'सिटिज़न न्यूज' तीसरी वेबसाइट है।

हांगकांग की एक न्यूज वेबसाइट 'सिटिजन न्यूज' ने गत दिनों कहा कि वह अपनी सेवाएं बंद कर ही है। लोकतंत्र समर्थक एक अन्य वेबसाइट के कार्यालय पर पुलिस के छापेमारी करने और राजद्रोह के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार करने के कुछ दिनों बाद, प्रेस स्वतंत्रता पर उठते सवालों के बीच वेबसाइट ने यह घोषणा की है। चीन ने हाल के दिनों में हांगकांग में अपनी गतिविधियों को बढ़ाया है और लोकतंत्र समर्थक लोगों की गिरफ्तारी की गई है। इसके अलावा, कई मीडिया संस्थानों पर छापेमारी की गई है और प्रमुख पत्रकारों की गिरफ्तारी हुई है।

'सिटिजन न्यूज' ने पहले फेसबुक पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उसने कहा कि वह 4 जनवरी को अपनी वेबसाइट पर अपडेटेड जानकारी साझा नहीं करेगी और इसके बाद वह बंद कर दी जाएगी। 'सिटिज़न न्यूज' ने एक बयान में कहा, 'हमें यह जगह बेहद पसंद है। अफसोस की बात है कि हमारे सामने केवल बारिश या तेज हवाओं जैसी नहीं, बल्कि तूफान और सुनामी जैसी चुनौतियां हैं। हम अपने मूल सिद्धांतों को कभी नहीं भूले हैं। दुखद है कि पिछले दो वर्षों में समाज में हुए बड़े परिवर्तनों और मीडिया के लिए बिगड़ते माहौल के कारण हम अब बिना किसी डर के अपने मार्ग पर नहीं चल सकते।'

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हो रही है कार्रवाई : 'एपल डेली' और 'स्टैंड न्यूज' के बाद हालिया महीनों में सेवाएं बंद करने की घोषणा करने वाली 'सिटिज़न न्यूज' तीसरी वेबसाइट है। 2019 में बड़े पैमाने पर लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों के बाद चीन ने हांगकांग में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया था, जिसके बाद से ही मीडिया घरानों तथा पत्रकारों को निशाना बनाया जा रहा है। सिटिजन न्यूज को तब बंद किया गया है, जब स्टैंड न्यूज पर छापेमारी की गई और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसमें स्टैंड न्यूज के संपादक और पूर्व बोर्ड के सदस्य बी शामिल थे।

संपादकों पर लगाया गया राजद्रोह

इन सभी लोगों पर आरोप लगाया गया कि ये लोग कथित रूप से देशद्रोही सामग्री को प्रकाशित करने की साजिश रच रहे थे। स्टैंड न्यूज ने उसी दिन ऐलान किया कि वह काम करना बंद कर देगा। स्टैंड न्यूज के दो पूर्व संपादक जिन्हें गिरफ्तार किया गया था, उन पर बाद में औपचारिक रूप से राजद्रोह का आरोप लगाया गया। दिसंबर में चीन ने एक नए कानून के तहत वफादार लोगों को विधायी चुनाव लड़वाया। इसके अलावा, बीजिंग में 1989 के तियानमेन स्क्वायर की खूनी कार्रवाई की याद दिलाने वाले स्मारकों को हटा दिया गया।

ओमिक्रॉन से बनी एंटीबॉडी डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ देती है इम्युनिटी, प्लाज्मा की स्टडी के बाद सामने आए नतीजे

एक्सपर्ट्स ने आगाह किया कि आने वाले महीनों में कोरोना का नया ओमिक्रॉन वेरिएंट डेल्टा वेरिएंट को पीछे छोड़ सकता है।

कोरोनावायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट का संक्रमण डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ इम्युनिटी क्षमता बढ़ा सकता है। दक्षिण अफ्रीका में अनुसंधानकर्ताओं के एक लघु अध्ययन में यह बात सामने आई। कोरोना वायरस का ओमीक्रोन वेरिएंट सबसे पहले इस साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना में सामने आया था। वायरस का यह नया वेरिएंट अत्यंत संक्रामक पाया गया है और इसमें वैक्सीनेशन से अथवा पहले हो चुके SARS-CoV-2 संक्रमण से उत्पन्न एंटीबॉडी से बच निकलने की काफी क्षमता देखी गयी है।

इस वेरिएंट से संक्रमण के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे हैं। MedRxiv पर प्रकाशन से पूर्व डाले गये अध्ययन की अभी अन्य विशेषज्ञों ने समीक्षा नहीं की है। इसमें पहले वैक्सीन लगवा चुके और वैक्सीन नहीं लगवाने वाले 15 लोगों को शामिल किया गया जिन्हें ओमिक्रॉन संक्रमण हो चुका है।

वैज्ञानिकों ने प्रतिभागियों के प्लाज्मा का अध्ययन कर उनके एंटीबॉडी में ओमिक्रॉन और डेल्टा वेरिएंट पर नियंत्रण की क्षमता का पता लगाया। पहले प्रतिभागियों में लक्षण सामने आने के बाद और करीब दो सप्ताह बाद एक बार फिर अध्ययन किया गया। अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि प्रतिभागियों में डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ अधिक प्रतिरोधक क्षमता विकसित हुई।

अफ्रीका को छोड़कर हर महाद्वीप में फैल रहा डेल्टा : वहीं, एक्सपर्ट्स ने आगाह किया कि आने वाले महीनों में कोरोना का नया ओमिक्रॉन वेरिएंट डेल्टा वेरिएंट को पीछे छोड़ सकता है। सिंगापुर की 'एजेंसी फॉर साइंस, टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च बायोइन्फॉर्मेटिक्स इंस्टीट्यूट' के कार्यकारी निदेशक डॉक्टर सेबेस्टियन मौरर-स्ट्रोह ने बताया कि डेल्टा अब भी अफ्रीका को छोड़कर बाकी महाद्वीप में आम तौर पर ज्यादा पाया जाने वाला वेरिएंट है, लेकिन ओमिक्रॉन तेजी से फैल रहा है। कोविड को लेकर जीनोम से संबंधित आंकड़े साझा करने वाले म्यूनिख स्थित 'जीसैड' के अनुसार पिछले महीने से उनके पास मंगलवार तक जो आंकड़े आए हैं, उनमें सात से 27 फीसदी मामलों में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई है। ये आंकड़े अफ्रीका को छोड़कर बाकी महाद्वीपों के संबंध में है।

110 देशों तक पहुंचा डेल्टा वेरिएंट : 'जीसैड' से जुड़े डॉक्टर मौरर स्ट्रोह ने कहा, मौजूदा आंकड़े से यह लगता है कि समय के साथ ओमिक्रॉन डेल्टा को पीछे छोड़ देगा। वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का सबसे पहले 11 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका में पता चला था। इसके बाद बोत्सवाना और हांगकांग में पता चला और पिछले सप्ताहांत तक यह दुनिया के 110 से ज्यादा देशों में फैल चुका है। ओमिक्रॉन ऑस्ट्रेलिया, भारत, रूस, दक्षिण अफ्रीका और ब्रिटेन में फैल चुका है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि वैश्विक स्तर पर डेल्टा से अब नए ओमिक्रॉन की तरफ मामले बढ़ रहे हैं क्योंकि यह वेरिएंट ज्यादा संक्रामक है।

जनगणना पर कोरोना का कहर, अगले आदेश तक रोका गया, पहले भी टल चुका है यह अभियान

कोरोना का कहर आम जनजीवन पर पड़ ही रहा है साथ ही सरकारी कामों पर भी इसका असर दिख रहा है। महामारी की वजह से हर 10 साल पर होने वाले अहम जनगणना कार्यक्रम (Census 2021) को रोक दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले महीने संसद को बताया था कि कोविड-19 महामारी के कारण जनगणना 2021 और इसके जुड़ी अन्य गतिविधियों को अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

निर्णय के अनुरूप, भारत के महापंजीयक (आरजीआई) और जनगणना आयुक्त विवेक जोशी ने पिछले महीने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा तथा जून के अंत तक प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव करने की तारीख बढ़ा दी।

पहले भी टल चुका है जनगणना अभियान

जनगणना अभियान के दौरान : मकान-सूचीकरण चरण और जनसंख्या गणना दोनों, राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को जिलों, कस्बों, गांवों और तहसीलों की सीमाओं को नहीं बदलना चाहिए। जोशी के पत्र का मतलब है कि 30 जून तक प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र की सीमाओं को रोक दिया जाएगा। पहले इस अभ्यास को 31 दिसंबर, 2020 से बढ़ाकर 21 दिसंबर, 2021 तक किया गया था।

मूल रूप से, स्थानीय परिस्थितियों और अन्य प्राथमिकताओं के आधार पर विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जनगणना 2021 के पहले चरण के तहत अप्रैल 2020 से सितंबर 2020 के दौरान 45 दिनों की अवधि में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के अद्यतन के साथ-साथ आवास-सूचीकरण और आवास जनगणना को किया जाना था। मकान सूचीकरण के बाद पिछले साल 9 से 28 फरवरी के बीच जनसंख्या की गणना की जानी थी।

यह सुनिश्चित करने के लिए, गृह मंत्रालय या जनगणना आयुक्त कार्यालय ने अभ्यास को स्थगित करने के लिए कोई आधिकारिक आदेश या परिपत्र जारी नहीं किया है और अब इस तारीख को 30 जून तक बढ़ाने को और देरी के रूप में देखा जा रहा है।

ऐप के जरिए की जा रही जनगणना : केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पिछले साल 7 दिसंबर को संसद को सूचित किया कि कोविड-19 महामारी के कारण जनगणना 2021 और जनगणना संबंधी गतिविधियों को स्थगित कर दिया गया है। सरकार ने तब कहा था कि आगामी जनगणना, जिसमें शिक्षा, एससी/एसटी, धर्म, भाषा, विवाह, प्रजनन क्षमता, विकलांगता, व्यवसाय और व्यक्तियों के प्रवास जैसे जनसांख्यिकीय और विभिन्न सामाजिक आर्थिक मानकों पर डेटा एकत्र किया जाता है, यह पहली डिजिटल जनगणना होगी। ।

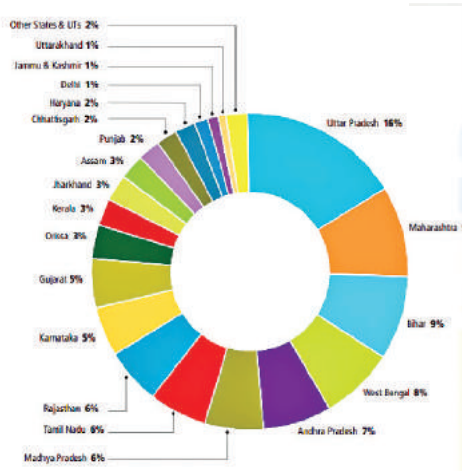

आंकड़ों के संग्रह के लिए एक मोबाइल ऐप और विभिन्न जनगणना संबंधी गतिविधियों के प्रबंधन और निगरानी के लिए एक जनगणना पोर्टल पहले ही तैयार किया जा चुका है।

इस योजना से परिचित एक अधिकारी ने बताया कि प्रशासनिक सीमाओं की नई तारीख के साथ, यह अभ्यास 2022 की तीसरी तिमाही से पहले शुरू नहीं हो सकता और यह भी देश में कोविड-19 स्थिति पर निर्भर करता है।

हर 10 साल पर होने वाला जनगणना देश का सबसे बड़ा डेटा संग्रह अभ्यास है, जो जनसंख्या वृद्धि का आकलन करने के साथ-साथ पेयजल, स्वच्छता, आवास और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच का विश्लेषण करने के लिए बेहद अहम है। इससे पहले जनगणना आखिरी बार 2011 में आयोजित की गई थी।

ओपी सोनी ने नये भर्ती हुए वार्ड अटैंडैंटों को सौंपे नियुक्ति पत्र

चंडीगढ़. ओमिक्रोन के खतरे और कोरोना की तीसरी लहर के खतरे के बीच, उप मुख्यमंत्री पंजाब ओ पी सोनी ने पंजाब के स्वास्थ्य विभाग के अधीन आज 308 वार्ड अटैंडैंटों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस भर्ती मुहिम संबंधी और जानकारी देते हुये स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कोविड के फैलाव को रोकने और पंजाब के लोगों को मानक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा चल रही भर्ती मुहिम में तेज़ी लाई गई है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने 800 पदों के लिए इश्तिहार दिया था और आज पहले पड़ाव में 308 को नियुक्तियाँ दी गई हैं। ज़िक्रयोग्य है कि पंजाब सरकार की यह बहुत बड़ी पहल है कि इन पदों को 20 सालों से भी अधिक के लम्बे समय के उपरांत भरा गया है। इस तरह यह सरकारी अस्पतालों में मरीज़ों की देखभाल प्रणाली को मज़बूत करने की तरफ एक बड़ा कदम है। श्री सोनी ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा यह सभी नियुक्तियां योग्यता के आधार पर पारदर्शी ढंग से की जा रही हैं।

सीवरमैनों को प्रशिक्षण के लिए देश का पहला पायलट प्राजैक्ट कपूरथला से शुरू

200 सीवरमैनों को मिलेगी सिखलाई

कपूरथला. पंजाब सरकार की तरफ से सीवरेज की सफ़ाई वाले वर्करों को प्रशिक्षण देने के लिए केंद्रीय कौशल विकास मंत्रालय के सहयोग से एक पायलट प्रोजैक्ट की शुरुआत आज पंजाब के तकनीकी शिक्षा और रोज़गार उत्पतति मंत्री राणा गुरजीत सिंह की तरफ से नगर निगम कपूरथला से गई। यह देश में अपनी तरह का पहला प्राजैकट है जिसको कपूरथला से शुरू किया गया है। पंजाब कौशल विकास मिशन,पंजाब जल स्पलाई और सीवरेज बोर्ड और केंद्रीय कौशल विकास मंत्रालय के सांझे उद्यम वाले इस पायलट प्रोजैक्ट के अंतर्गत नगर निगम कपूरथला और नगर निगम पटियाला में सीवरेज की सफ़ाई में लगे 200 वरकरों को मशीनों के द्वारा सीवरेज की सफ़ाई बारे 700 घंटे की आन -जाब् प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री राणा गुरजीत सिंह ने बताया कि पंजाब कौशल विकास मिशन के अंतर्गत दी जाने वाली प्रशिक्षण के साथ न सिर्फ़ सीवरेज की मशीनों के साथ पूरी सफ़ाई हो सकेगी, साथ ही सीवरेज की सफ़ाई दौरान होने वाले हादसों पर भी रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम कपूरथला और नगर निगम पटियाला के बाद इस प्रोजैक्ट को राज्य भर के सभी निगमों में लागू किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 6.7 करोड़ के इस प्राजैक्ट के अंतर्गत 200 सीवरमैनों को मूलभूत तौर पर प्रशिक्षण दे कर कौशल बनाया जाएगा जिसमें नगर निगम पटियाला के 110 और नगर निगम कपूरथला के 90 सीवरमैन शामिल हैं। प्राजैक्ट को ज़मीनी स्तर पर सफलतापूर्वक लागू करने के लिए 57 जैटर मशीनों,57 गरैबर और 100 मकैनिकल विंचस ख़रीदे जा रहे हैं।

यह प्रशिक्षण प्रोग्राम 700 घंटो का होगा,जिसमें 160 घंटो का प्रशिक्षण थ्यूरी और 540 घंटो की प्रशिक्षण प्रैक्टिकल होगी। प्रशिक्षण पूरी करने उपरांत सीवरमैनों को पंजाब सरकार की तरफ से सर्टीफिकेट भी जारी किया जायेगा।

कपूरथला शहर को निर्विघ्न बिजली स्पलाई के लिए 66 केवी सब स्टेशन का काम शुरू

कपूरथला. पंजाब के रियासती शहर कपूरथला में बिजली स्पलाई में सुधार के अंतर्गत कपूरथला शहर और नजदीक के गाँवों के लिए नया 66 के.वी सब स्टेशन स्थापित करने के लिए भगतांवाला में शुरुआत हो गई है। कैबिनेट मंत्री राणा गुरजीत सिंह की तरफ से आज इस सब स्टेशन का नींव पत्थर रखा गया,जिस पर 4करोड़ रुपए की लागत आयेगी। इसके साथ ही पहले तो ज़्यादा लोड साथ चल रहे तीन नंबर 11 के.वी फीडर लगभग 75 लाख की लागत के साथ नये फीडर बना कर डी -लोड करने की मंज़ूरी भी मिल गई है।

इस मौके बोलते कैबिनेट मंत्री राणा गुरजीत सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से मुख्यमंत्री स.चरनजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में कपूरथला शहर के विकास की तरफ विशेष ध्यान दिया गया,जिसके अंतर्गत पंजाब स्टेट पावर निगम लिम.की तरफ से बिजली सुधार के प्राजैक्ट शुरू किए गए। उन्होंने कहा कि नये सब स्टेशन के निर्माण के साथ न सिर्फ़ लोगों को निर्विघ्न बिजली स्पलाई मिलेगी ,साथ ही पानी की स्पलाई में भी सुधार होगा, जिसके साथ लोगों को गर्मी के सीजन दौरान बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि पिछले 75 सालों दौरान कपूरथला शहर को केवल एक बिजली घर, 132 के. वी. कपूरथला के द्वारा बिजली की पूर्ति की जा रही थी जो कि ओवरलोड होने के कारण गर्मियों के समय बिजली की पूर्ति की मुश्किल हो रही थी, जिसको नये सब स्टेशन की स्थापना के साथ हल कर दिया जायेगा।

मोदी की सुरक्षा में चूक पंजाब सरकार की सोची-समझी साजिश : राकेश राठौर

जालंधर. आज जालंधर शहर के पूर्व मेयर एवं भाजपा पंजाब प्रदेश के उपाध्यक्ष राकेश राठौर ने कहां की आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिरोजपुर दौरे को लेकर जो उनकी सुरक्षा में चूक हुई, उसमें पंजाब मे कांग्रेस सरकार उसका पूरा प्रशासनिक अमला इस साजिश में शामिल था। जिस तरह आज पूरे पंजाब में भाजपा के कार्यकर्ताओं को पंजाब सरकार की शह पर कुछ साजिश कर्ताओं ने उनका घेराव किया रैली स्थल पर जाने से रोकने के लिए जगह जगह मोर्चाबंदी की और उनके साथ मारपीट की गई। भाजपा के झंडे और बैनर फाड़े गए। भारतीय जनता पार्टी के पोस्टर फाड़े गए। पूरे पंजाब में भारतीय भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को गुंडागर्दी और प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। राकेश राठौर ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस सरकार पुलिस प्रशासन और कांग्रेस सरकार की शह पर अराजक तत्व पूरी तरह शामिल रहे राठौर ने कहा कि जिस तरह आज हमारे देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कि पूरे विश्व के प्रिय नेता हैं वह व्यक्ति जो पूरे विश्व में जहां कहीं भी जाता है वहां के लोग उनका पलकें बिछा कर स्वागत करते हैं।

पंजाब सरकार ने की भारतीय संविधान की उल्लंघना : शर्मा

जालंधर. भाजपा जालंधर के अध्यक्ष सुशील शर्मा ने आज चन्नी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पंजाब सरकार अगर देश के प्रधानमंत्री को सुरक्षा नहीं दे सकती तो वह पंजाब के आम जनमानस को क्या सुरक्षा देगी। सुशील शर्मा ने कहा कि मोदी जी की सुरक्षा में सेंध लगाकर पंजाब सरकार ने भारतीय संविधान की भी उल्लंघनना की है। पंजाब की कांग्रेस सरकार भारतीय जनता पार्टी को जितना दबाने की कोशिश करेगी, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उससे दुगनी ताकत से पंजाब में कमल का फूल खिलाने का कार्य करेंगे। शर्मा ने कहा कि जिस तरह पंजाब की कांग्रेस सरकार की शह पर पूरे प्रदेश में जो आज गुंडागर्दी का नंगा नाच खेला गया है उस में पंजाब सरकार की संलिप्तता साबित होती है।

विधायक धालीवाल ने 88.57 लाख की लागत से बनने वाली सड़कों के काम का किया उद्घाटन

फगवाड़ा. फगवाड़ा विधायक बलविंदर सिंह धालीवाल (सेवामुक्त आईएएस) गांवों के समूचित विकास के लिए प्रयासरत है। विधायक का मकसद गांव वासियों को शहरों की तरह हर सुविधा मुहैया करवाना है। जिनमें बेहतरीन सड़के, उच्च क्वालिटी की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं सहित पेयजल और सीवरेज सुविधा मुहैया करवाना शामिल है। इसी कड़ी के तहत बुधवार को भी धालीवाल की ओर से फगवाड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाले तीन लिंक सड़कों को बनाने के काम की शुरुआत की गई। धालीवाल की ओर से 34.51 लाख रूपए से बनने वाली बरना-किशनपुर सड़क, 8.41 लाख रूपए की लागत से गांव पलाही से खाटी को जाने वाली सड़क सहित 45.65 लाख रूपए की लागत से बनने वाली भाखिड़याना से तलहन साहिब को जाने वाली लिंक सड़क के निर्माण के काम का उद्घाटन किया।

फोटो वोटर सूचियों की हुई अंतिम प्रकाशना, ज़िले में 1650867 वोटर

•डिप्टी कमिशनर थोरी ने राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को सौंपी वोटर सूची की कापियां

जालंधर. भारतीय चुनाव आयोग के आदेशों अनुसार 1जनवरी 2022 के आधार पर तैयार फोटो वोटर सूचियों की आज अंतिम प्रकाशना की गई, जिस अनुसार ज़िले में कुल 1650867 वोटर हैं। डिप्टी कमिशनर -कम -ज़िला चुनाव अधिकारी घनश्याम थोरी ने अंतिम प्रकाशना उपरांत राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों को फोटो वोटर सूची की हार्ड और साफ्ट कापी भी सौंपी। डीसी घनश्याम थोरी ने इस सम्बन्धित जानकारी देते हुए बताया कि अंतिम वोटर सूची अनुसार ज़िले में 16,50,867 वोटर हैं और कुल 51289 नये वोटर रजिस्टर हुए हैं। कुल वोटरों में 858305 पुरुष वोटर, 792532 महिला वोटर और 30 थरड जैंडर वोटर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिले में कुल पोलिंग स्टेशनों की संख्या 1991 हो गई है। नई सूची में 1881 सर्विस वोटर, 73 एन.आर.आई. वोटर, 30 थर्ड जैंडर वोटर, 27402 फस्ट टाईम वोटर (18 -19 आयु वर्ग), और 11692 पी.डब्लयू.डी. वोटर है।

डीसी ने मतदान की तैयारियों का लिया जायजा

जालंधर. अगामी विधान सभा चुनाव के चलते डिप्टी कमिशनर -कम -जिला चुनाव अधिकारी घनश्याम थोरी ने आज जिला नोडल अधिकारियों /सहायक नोडल अधिकारियों को चुनाव को उचित ढंग से पूरा करने के लिए सभी प्रबंध समय पर पूरा करने के आदेश दिए। आज यहाँ जिला प्रशासीय कंपलैक्स में सभी सम्बन्धित आधिकारियों के साथ चल रही तैयारियों का जायज़ा लेते हुए घनश्याम थोरी ने कहा कि आने वाले दिनों में जिले भर में अलग -अलग गतिविधियां करवाई जानी है, जिससे सभी टीमों को भारतीय चुनाव आयोग के आदेशों अनुसार सख़्त निगरानी और सभी प्रक्रियाएं को लागू करने के लिए तैयार किया जा सके। डिप्टी कमिशनर ने अलग -अलग समितियों के ढांचे और कामकाज का जायज़ा लेने के इलावा मतदान को सुचारू ढंग के साथ पूरा करने को यकीनी बनाने के लिए ज़रुरी दिशा -निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि मैनपावर मैनेजमेंट समिति की तरफ से चुनाव करवाने के लिए जिले में मैनपावर की पूरी ज़रूरत का मुल्यांकन किया जाएगा। ईवीएम मैनेजमेंट समिति की तरफ से पूरी निगरानी सहित ईवीएम की सही स्टोरेज, सुरक्षा, उपलब्धता और जांच को यकीनी बनाया जाएगा। इसी तरह, आर्दश चुनाव सहिंता लागू करने के लिए नोडल अधिकारी आदर्श चुनाव सहिंता लागू होने के बाद यह यकीनी बनाएगें कि भारतीय चुनाव आयोग के सभी आदेशों की इन्न -बिन्न पालना की जाए।

पूर्व विधायक राजबंस कौर राणा ने 7.51 करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन किया

कपूरथला. पूर्व विधायक राजबंस कौर राणा ने आज विधान सभा हलका कपूरथला के अलग -अलग गांवों में 7.51 करोड़ रुपए के अलग -अलग विकास कामों का उद्घाटन किया। इन विकास कामों में गाँव लक्खण कलाँ में 98.06 लाख रुपए के साथ होने वाले विकास कार्य जैसे कि धर्मशाला और जंज घर, वाटर स्पलाई/ सेनिटेशन, ऐस.सी. धर्मशाला, ऐस.सी शमशानघाट, छप्पड़ और गलिया-नालिया शामिल है। इसी तरह गाँव लक्खण खुर्द में 95.48 लाख रुपए, गाँव बिशनपुर में 108.91 लाख रुपए, गाँव दबुरजी 46.66 रुपए, गाँव फूलेवाल में 25.19 लाख रुपए, गाँव दप्पयी में 45.55 लाख रुपए, गाँव अहमदपुर में 31.41 लाख रुपए, गाँव इब्बण में 71.23 लाख रुपए, गाँव खोजेवाल में 113.24 लाख रुपए, गाँव बरिन्दपुर में 25.55 लाख रुपए, गाँव स्याल में 20.02 लाख और गाँव शेखपुर भगतपुर में 70.28 लाख रुपए की लागत के साथ धर्मशाला, वाटर स्पलाई, गलियों में इंटरलाक टाईलों, छप्पड़, सिवरेज, गलियों नलियों व अन्य विकास कार्य शामिल हैं।

द. अफ्रीका को जीत के लिए 122 रनों की जरूरत तो भारत को चाहिए 8 विकेट

हनुमा विहारी ने मैदान पर जरूर संघर्ष किया और 84 गेंदों में 40 रन की नाबाद पारी खेली जबकि शार्दुल ठाकुर ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की....

जोहांसबर्ग. भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रहे दूसरे टेस्ट मुकाबले का आज तीसरा दिन था। भारत की ओर से दक्षिण अफ्रीका के समक्ष 240 रनों का लक्ष्य रखा गया है। फिलहाल दक्षिण अफ्रीका 2 विकेट पर 118 रन बना चुका है। कप्तान डीन एल्गर 46 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं जबकि उनके साथ रॉसी वान डर डुसेन 11 रन बनाकर मैदान पर हैं। डीन एल्गर ने एडेन मार्कराम (31) के साथ पहले विकेट के लिये 47 और कीगन पीटरसन (28) के साथ दूसरे विकेट के लिये 46 रन की साझेदारियां करके भारत को हावी होने से रोका। जोहांसबर्ग के वांडरर्स मैदान में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड फिलहाल ऑस्ट्रेलिया के नाम है जिसने 2011 में 310 रन बनाकर जीत हासिल की थी।

पहली पारी में 202 रन बनाने वाली टीम इंडिया ने दूसरी पारी में 266 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर दक्षिण अफ्रीका के पास 27 रनों की बढ़त थी। भारत की दूसरी पारी में सिर्फ चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने अच्छी बल्लेबाजी की बाकी खिलाड़ियों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। हनुमा विहारी ने मैदान पर जरूर संघर्ष किया और 84 गेंदों में 40 रन की नाबाद पारी खेली जबकि शार्दुल ठाकुर ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 24 गेंदों में अहम 28 रन जोड़े। गिसो रबाडा (77 रन देकर तीन) ने पहले सत्र के आखिरी 45 मिनट में तीन विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को वापसी दिलायी। मार्को जेनसन (67 रन देकर तीन) और लुंगी एनगिडी (43 रन देकर तीन) ने बाद में इसका फायदा उठाया। इस श्रृंखला में अब तक रन बनाने के लिये जूझ रहे मार्कराम ने कुछ विश्वसनीय शॉट लगाकर अपने इरादे जतलाये लेकिन ठाकुर (24 रन देकर एक) ने गेंद संभालते ही लगातार उन्हें परेशान किया। पगबाधा की दो अपील ठुकराये जाने के बाद भी ठाकुर ने लाइन व लेंथ बनाये रखी। उनकी तीसरी अपील पर न अंपायर को शक था और ना ही बल्लेबाज को। इसके बाद पीटरसन ने अपने कप्तान के साथ अगले 16 ओवर तक विकेट नहीं गिरने दिया और इस बीच दूसरे विकेट के लिये 46 रन जोड़े।

कोविड मामलों के बढ़ने पर डीसी ने लोगों को सुचेत रहने की अपील की

जालंधर. डिप्टी कमिशनर घनश्याम थोरी ने लोगों को कोविड के बढ़ मामलों के मद्देनज़र पूरी तरह सुचेत रहने के साथ-साथ सामाजिक दूरी, मास्क सही ढंग से पहनने और हाथों की समय -समय पर सैनीटाईज़ेशन को यकीनी बनाने की अपील की। स्थानीय एनएचएस अस्पताल में ऐकसपैंडिड डायलसिस यूनिट का उद्घाटन करने उपरांत डिप्टी कमिशनर ने कहा कि बड़े जनतक हितों में कोविड सम्बन्धित उचित व्यवहार की सख़्ती के साथ पालना करने की ज़रूरत है ,जिससे वायरस और न फैल सके। उन्होंने कहा कि अलग -अलग स्थानों पर टीकाकरण अभियान चल रहा है और जिन लाभपातरियों ने अभी तक दूसरी डोज नहीं लगवाई है, उनको जल्दी से जल्दी अपना टीकाकरण करवाना चाहिए।

डिप्टी कमिशनर ने बताया कि 15 से 18 साल की आयु के युवाओं का टीकाकरण भी जारी है जबकि 10 जनवरी से सभी योग्य लाभपातरियों को बूस्टर डोज़ लगाई जायेगी।

मुख्यमंत्री ने 457 पंजीकृत गौशालाओं को 23 करोड़ रुपए के चैक सौंपे

चंडीगढ़. गौशालाओं के उचित रख-रखाव और कीमती 'गोधन' की देखभाल को युनिश्चित बनाने के मंतव्य से पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आज राज्य की 457 पंजीकृत गौशालाओं को 5-5 लाख रुपए (कुल 23 करोड़ रुपए) के चैक सौंपने के अलावा इन गौशालाओं के 19 करोड़ रुपए के बिजली बिलों को माफ करने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस सम्बन्धी नोटीफिकेशन पहले ही जारी किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने वित्तीय सहायता के उचित प्रयोग करने की अपील की, जिससे बेहतर ढंग से 'गोधन' के प्रबंधन को सुनिश्चित बनाया जा सके। जिनका सही ढंग से प्रबंधन किया जा सकता है। इस बात को दोहराते हुए कि गौशालाओं के लिए उनके दरवाज़े हमेशा खुले हैं, मुख्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि गौशालाओं को हमेशा साफ़-सुथरा रखा जाना चाहिए। चन्नी ने कहा, ''सडक़ों पर कोई भी आवारा गाय नहीं होनी चाहिए। यदि कोई गोधन सडक़ों पर है तो उसे गौशालाओं की देख-रेख अधीन लाया जाए।'' उन्होंने आगे कहा कि इससे हादसों की संख्या भी घटेगी। उन्होंने 'गऊमाता' की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित करने के लिए पंजाब गौ सेवा आयोग के साथ-साथ विभिन्न गौशाला प्रबंधक समितियों की भी सराहना की।

लोक निर्माण मंत्री विजय इंदर सिंगला ने कहा कि गौ सेवा, पूजा का एक उत्तम रूप है और उन्होंने गोधन की उचित देख-रेख के लिए विभिन्न गौशाला प्रबंधकों की सराहना की। उन्होंने बिजली के बिलों को घटाने के लिए गौशालाओं में सोलर पैनलों का प्रयोग करने की भी वकालत की। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों संबंधी मंत्री भारत भूषण आशु ने कहा कि सिफर् मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने ही गौशालाओं के प्रभावशाली प्रबंधन के लिए चिंता व्यक्त की है और उन्होंने 'गोधन' के लिए अपार सत्कार दिखाया है। पंजाब गौ सेवा आयोग के चेयरमैन सचिन शर्मा ने बताया कि आयोग द्वारा अब तक 150 'गौ कल्याण' कैंप लगाए जा चुके हैं, जिससे गौमाता के स्वास्थ्य और साफ़-सफ़ाई को सुनिश्चित बनाया जा सके और गौशालाओं की उचित देख-रेख के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.